अमेरिकी कांग्रेस प्रशासनिक शक्तियाँ

- अमेरिकी कांग्रेस विभिन्न प्रशासनिक विभागों के बारे में विवरण मँगा सकती है।
- वह अपनी जाँच समितियां नियुक्त करके प्रशासनिक विभागों की आलोचना कर सकती है।
- इसके अलावा, राष्ट्रपति उच्च पदों के लिए जो नियुक्तियाँ करता है, या विदेशों के साथ जो संधियाँ करता है, उनके लिए सीनेट का अनुसमर्थन जरूरी होता है।
- एक प्रथा के अनुसार, यदि राष्ट्रपति को ऐसे राज्य में कोई नियुक्ति करनी हो जहाँ का सीनेट-सदस्य राष्ट्रपति के अपने राजनीतिक दल से हो तो राष्ट्रपति ऐसी नियुक्ति करने से पहले उस सीनेट सदस्य से परामर्श कर लेता है। यदि वह सदस्य प्रस्तावित नियुक्ति का अनुमोदन कर देता है तो सीनेट भी उस नियुक्ति की पुष्टि कर देगी। यदि वह सीनेट-सदस्य इस पर आपत्ति करता है तो सीनेट भी उसकी पुष्टि नहीं करेगी। इस प्रथा को सीनेटोरियल शिष्टाचार (Senatorial Courtesy) की संज्ञा दी जाती है।
- न्यायिक शक्तियाँ :- यदि देशद्रोह, भ्रष्टाचार या संविधान के उल्लंघन, इत्यादि का आरोप लगाकर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, न्यायाधीशों या प्रशासनिक उच्चाधिकारियों पर महाभियोग चलाना हो तो इसके लिए प्रतिनिधि सभा महाभियोग की धाराएँ तैयार करती है और सीनेट में मुकदमा चलाया जाता है।
- प्रतिनिधि सभा में महाभियोग की धाराओं को साधारण बहुमत से पारित किया जाता है।
- दोष-सिद्धि के लिए महाभियोग की प्रत्येक धारा पर सीनेट में उपस्थित तथा मतदान में भाग लेने वाले सदस्यों का दो तिहाई बहुमत आवश्यक होगा। दोष सिद्ध हो जाने पर

Scanned By Scanner Go

अभियुक्त को पद से हटा दिया जाता है।

* चार-साल के अन्तराल पर जब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव होता है तो इस चुनाव में डाले गए वोटों की गिनती के लिए कांग्रेस के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन होता है।
* यदि राष्ट्रपति-पद के लिए किसी उम्मीदवार को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाता तो जिन तीन उम्मीदवारों को सबसे अधिक वोट मिले हों, उनमें से एक को प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति पद के लिए चुनती है।
* यदि उपराष्ट्रपति-पद के लिए किसी उम्मीदवार को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाता तो जिन दो उम्मीदवारों को सबसे अधिक वोट मिले हों, उनमें से एक को सीनेट उपराष्ट्रपति-पद के लिए चुन लेती है।

क्रमशः

pol. sc (Hons)
part - I
paper - II

Dr. Rama Kant Pandey
S.R.A.P. college
Bara Chakiya

Scanned By Scanner Go